''शेखर जोशी के साहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन''

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट(डीम्ड यूनिवर्सिटी)
आगरा की पी–एच.डी. हिन्दी की उपाधि हेतु
प्रस्तुत शोध प्रबंध की रूपरेखा
2017

शोध निर्देशिका

डॉ. नमस्या
असिस्टेंट प्रोफेसर,
हिन्दी विभाग

शोधार्थिनी

प्रज्ञा परम

हिन्दी विभागाध्यक्ष

प्रो० शर्मिला सक्सेना

कला संकाय प्रमुख

प्रो० जे० के० वर्मा

कला संकाय
दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग, आगरा–282005

''शेखर जोशी के साहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन''

रूपरेखा

शेखर जोशी का जन्म चौथे दशक के प्रारम्भ में 10 सितम्बर 1932 को अल्मोड़ा जनपद (उत्तराखण्ड) के ओलिया गाँव में किसान परिवार में हुआ। शेखर जोशी पर पर्वतीय ग्रामीण जीवन की छाप बचपन से ही पड़ गई। शेखर जी का गाँव सौन्दर्य से परिपूर्ण, छोटे–छोटे किसानों का गाँव है। इनके पिताजी का नाम दामोदर जोशी था तथा इनकी माता जी का नाम श्रीमती हरप्रिया जोशी था। इनकी माता शान्त एवं धार्मिक स्वभाव की थीं, इसी कारण शेखर को घर में धार्मिक वातावरण मिला। शेखर के मामा पंडित श्री कृष्ण पंत शास्त्री को उन्होंने सदैव लेखन कर्म मे लीन देखा जो आगे चलके इनके प्रेरणा स्रोत बने। शेखर अपने बचपन से ही संगीत प्रेमी रहे और उन्हें ब्रह्मानन्द स्त्रोत नामक गुटके के भजन बेहद पसन्द थे, वे अक्सर इन भजनों को गाया करते थे।

शेखर की प्रारंम्भिक शिक्षा दड़मिया स्कूल में हुई और आगे की पढ़ाई केकड़ी/अजमेर (राजस्थान) में हुई। शेखर को छोटी उम्र में ही विभिन्न भौगोलिक और सामाजिक परिवेशों में जीने के लिये बाध्य होना पड़ा। पर्वतीय अंचलके प्राकृतिक सौन्दर्य से वनस्पतिहीन राजस्थान में आ जाने की विवशता और अपने परिवेश से कट जाने का कष्ट उन्हें आज तक है। जो आगे चलकर उनके साहित्य में भी देखने को मिला।

लेखन की ओर शेखर जी का झुकाव इण्टर के प्रथम वर्ष की पढ़ाई के दौरान दिखाई देने लगा। इस समय प्रथम बार शेखर जी साहित्यिक किताबों से रूबरू हुए।

कॉलेज पत्रिका में हिन्दी अंग्रेजी दोनों भाषाओं में इनकी रचनायें ''कविता कानन का भ्रमण'' नाम से पहली बार प्रकाशित हुईं। जिसके बाद लोग उन्हें कवि जी कहने लगे। शेखर जी ने अंग्रेजी में एक लेख 'सेल्फ ओर्बीचनी' शीर्षक से लिखकर पी.जी कॉलेज के एडिटर को दिया जो उन्होंने प्रकाशित किया। इससे उत्साहित हो शेखर जी साहित्य सजृन करने लगे परन्तु इससे इनकी शिक्षा की नियमितता टूट गई।

देहरादून में इन्टरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान ही सुरक्षा विभाग में ई.एम.आई सिविलियन ऐप्रेन्टिसशिप में 4 वर्षीय कोर्स के लिये चयन हो गया और दिल्ली छावनी में प्रशिक्षण हुआ। सन 1951 से 1955 तक दिल्ली में ऐप्रेन्टिसशिप के दौरान उनका प्रगतिशील लेखकों, ट्रेड यूनियन के कार्यकर्त्ताओं और पत्रकारिता जगत से सम्पर्क हुआ। उसके बाद सन् 1955 से 1986 तक इलाहाबाद स्थित सैनिक औद्योगिक प्रतिष्ठान में कार्यरत रहे। इसी दौरान उन्होंने औद्योगिक जीवन की विषमताओं और मजदूर वर्ग की समस्याओं को करीब से जाना और अपने साहित्य में उसका यथार्थ रूप से चित्रण किया सैनिक औद्योगिक प्रतिष्ठान में वर्कशॉप, ऑफीसर पद पर कार्यकाल के दौरान ही त्यागपत्र देकर स्वतन्त्र लेखन में सक्रिय हो गए।

शेखर जी ने अपनी पहली कहानी 'दाज्यू' सन् 1553 में पर्वतीय जीवन के लिये लिखी, जो बाद में 'संकेत' में प्रकाशित होकर चर्चित हुई। इस कहानी का कई भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। इस पर चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी ने 'बिग ब्रदर' नाम से फिल्म का निर्माण किया है। शेखर जोशी के साहित्य की शुरूआत कविताओं से हुई। आगे चलकर वह मुख्य रूप से कहानीकार के रूप में प्रसिद्ध हुए।

जोशी जी के साहित्य की सूची–

कहानी सग्रह–कोसी का घटवार (1958), साथ के लोग (1978), मेरा पहाड़ (1989), प्रतिनिधि कहानियाँ (1994), दस प्रतिनिधि कहानियाँ (1997), डांगरी वाले (1998), नौरंगी बीमार हैं (1998), बच्चे का सपना (2004), हलवाहा।

उपन्यास– अथ मूषक उवाच, चीटे के पर, साथ के लोग

शब्दचित्रों का संग्रह– एक पेड़ की याद

काव्य सग्रंह– न रोको उन्हें शुभा

रिपोर्ताज– बाबा! खोलो परद वर देखिये, काले कौव्वा! काले! काले!

संस्मरण– प्रकाश स्तम्भ सा वह क्रान्तिकारी, आत्मीय न हो पाने की त्रासदी, एक विनम्र राजसी व्यक्तित्व, जरिगइले एरी से कपार, शैलेश मेरी यादो में, वह कस्बे काआदमी,

लोकराग– आपदेव का गीत, अथ बारात कथा, कुमाऊँनी लोकोक्तियों में स्थानीय रंगत।

डायरी– जगत जी की विदाई, बड़े नेता छोटे नेता

संवाद– अमरकान्त सम्मान, जाति भेद के आयाम

शेखर जोशी पर हुये पूर्ववर्ती शोध कार्य

1. शेखर जोशी की कहानियों में श्रम और संघर्ष

   यह शोधकार्य शोधार्थी दौलतराम ने ए.एम.यू कॉलेज से डॉ एम.एन. शर्माशोध निर्देशक के निर्देशन में किया है।

2. शेखर जोशी की कहानियों का समय और समाज

   यह शोधकार्य शोधार्थी के. श्री. लता ने हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ एम श्याम रावशोध निर्देशक के निर्देशन में किया है।

3. शेखर जोशी की कहानियाँः नई कहानियों के सन्दर्भ में

   यह शोधकार्य शोधार्थी चन्देल उपेन्द्र कुमार सिह एस. ने गुजरात विश्वविद्यालय से डॉ. श्रीराम त्रिपाठी के निर्देशन में किया ।

अन्य पत्र–पत्रिकाओं तथा किताबों मे इनके साहित्य पर संक्षिप्त समीक्षाएं दी गई हैं।

शोध की आवश्यकता एवं उद्देश्य–

कई विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों एवं शोध गंगा आदि जैसे वेबसाइट्स को जाँच लेने के पश्चात यह स्पष्ट हुआ है कि शेखर जोशी के व्यापक साहित्य संसार में से अब तक केवल उनकी कहानियों को ही

आधार बनाकर शोधकार्य किया गया है, उसमें भी उनकी कहानियों के समस्त व्यापक फलक को पूर्णतः छुआ नहीं गया।जोशी जी के साहित्य को मौलिकता के साथ सिद्ध करने का यह सही समय है।

शेखर जोशी के साहित्य की विविधता चाहे वह विचार रूप में हो अथवा विधात्मक हो ने मुझे अत्यधिक प्रभावित किया। जिससे उन्हें शोध का विषय बनाने की मेरी इच्छा और अधिक प्रबल हो गई। शोध करते समय शोध की मौलिकता के साथ शोध की प्रामाणिकता को ध्यान में रखते हुये विभिन्न सन्दर्भ ग्रंथ देखने की परम्परा का पालन करने के साथ साक्षात्कार एवं प्रश्नावली जैसे शोध उपकरणों का सम्यक् प्रयोग करते हुये लेखक के समग्र साहित्य के नकारात्मक, सकारात्मक आदि पहलुओं को बिना किसी पूर्वाग्रह के विश्लेषण करने का पूर्ण प्रयास किया जायेगा।

साहित्य सर्वेक्षण–

शोध विषय में सम्बन्धित जानकारी विभिन्न विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों से प्राप्त की गई है, जिसका विवरण निम्नवत् है–

1. डी. ई. आई. दयालबाग़ डीम्ड यूनिवर्सिटी, आगरा
2. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
3. आगरा यूनिवर्सिटी, आगरा
4. दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
5. श्री देव सुमन विश्वविद्यालय देहरादून
6. सुमितत्रानंदन पंत संग्रहालय अल्मोड़ा कौसानी उत्तराखण्ड

अनुसंधित्सु

प्रज्ञा परम

''शेखर जोशी के साहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन''

प्रथम अध्याय– शेखर जोशी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचयात्मक अध्ययन

(क) व्यक्तित्व

(ख) कृतित्व

गद्य–

1. कहानी
2. उपन्यास
3. रेखाचित्र
4. संस्मरण
5. डायरी
6. रिपोर्ताज
7. संवाद
8. लोक कथाएँ

पद्य–

1. कविताएं
2. लोकराग

द्वितीय अध्याय– नयी कहानी के संदर्भ और प्रगतिशील कथाधारा के लेखक शेखर जोशी : तुलनात्मक विश्लेषण।

तृतीय अध्याय–शेखर जोशी के साहित्य में औद्योगिक परिवेश, ग्रामीण यथार्थ एवं पर्वतीय जीवन का विश्लेषण

1. बेरोजगारी
2. निर्धनता
3. अशिक्षा
4. श्रमिक संघर्ष

5. साम्प्रदायिकता
6. स्त्री जीवन संघर्ष
7. बाल जीवन संघर्ष
8. वृद्ध जीवन संघर्ष
9. प्राकृतिक वैभव के सौन्दर्यपरक चित्रण
10. अन्य

चतुर्थ अध्याय– शेखर जोशी के साहित्य में निम्न एवं मध्यवर्गीय जीवन का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण

1. आधुनिकता का प्रभाव
2. पलायनवाद–अलगाववाद
3. अवसाद एवं संत्रास
4. एकाकीपन एवं अहंवाद
5. मानवीय संबधों का बाजारीकरण
6. पीढ़ियों का अंतर
7. मृत्युबोध
8. अन्य

पंचम अध्याय– शेखर जोशी के समग्र साहित्य में उपस्थित सांस्कृतिक जीवन

(क) परम्पराएं

(ख) रहन सहन

(ग) अंधविश्वास–रूढ़ियां–कुप्रथाएं

(घ) विस्थापन की समस्या

(ङ) लोक कथाएं

(च) लोक गीत

(छ) अन्य

षष्ठ अध्याय– शेखर जोशी के गद्य एवं पद्य का अभिव्यक्ति कौशल : भाषा एवं शैली

भाषा **गद्य**–

1. शब्द विचार–

रचना की दृष्टि से

व्युत्पत्ति की दृष्टि से

2. प्रतीकात्मकता

3. लोकोक्ति–मुहावरे

पद्य–

शब्द चयन, गुण एवं शब्द शक्तियां

बिंब एवं प्रतीकात्मकता

लेखक के द्वारा प्रयुक्त विविध शैलियां

उपसंहार–

परिशिष्ट–

1. आधार ग्रन्थ
2. शब्द कोश विश्वकोश
3. संदर्भ ग्रन्थ
4. पत्र पत्रिकाएं
5. साक्षात्कार
6. प्रश्नावली
7. वेबसाइट्स

आधार ग्रन्थ–

1	शेखर जोशी,	एक पेड़ की याद (शब्दचित्र, रिपोतार्ज)	साहित्य भण्डार इलाहाबाद- 2015
2	शेखर जोशी,	डांगरी वाले (कहानी संग्रह)	साहित्य भण्डार
3	शेखर जोशी,	न रोको उन्हें शुभा (काव्य संग्रह)	साहित्य आधार इलाहाबाद- 2012
4	शेखर जोशी,	बच्चे का सपना (कहानी संग्रह)	सम्भावना प्रकाशन हापुड़– 2004
5	शेखर जोशी,	स्मृति में रहें वे (विविध विधायें)	सम्भावना प्रकाशन हापुड़ 2010

सन्दर्भ–ग्रन्थ–

1	अशोक भाटिया	समकालीन हिन्दी कहानी का इतिहास 'भावना अज्ञेय', सर्जना और सन्दर्भ	नेश्नल पब्लिकेशन हाउस नई दिल्ली 1985
2	कमलेश्वर	नई कहानी की भूमिका	अक्षर प्रकशन दरियागंज दिल्ली प्रथम संस्करण 1966
3.	डॉ. नीलम गुप्ता	हिन्दी कहानी और रचना सिद्धान्त	प्रतिमान प्रकाशन
4.	नीरज खरे	बीसवीं सदी के अन्त में हिन्दी कहानी	क्लासिकल पब्लिशिंग नई दिल्ली प्रथमसंस्करण–2004
5.	मार्कण्डेय	हिन्दी कहानी : यथार्थवादी नजरिया	लोक भारती प्रकाशन
6.	मधुरेश	हिन्दी उपन्यास का विकास	लोकवाणी 2002

7.	राम चन्द्र तिवारी	हिन्दी का गद्य साहित्य	विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी –5th संस्करण 2006 ई.
8.	डॉ. माया प्रकाश पाण्डेय	हिन्दी भाषा एवं व्याकरण	चिन्तन प्रकाशन कानपुर प्रथम संस्करण 2001

पत्र–पत्रिकायें

1	डॉ. रामस्वरूप	हिन्दी उपन्यासों में पर्वतीय ग्रामचलिक और नगरचलिक जीवन शोध श्री सम्पादक प्रो. शर्मिला सक्सेना	दयाल प्रेस दयालबाग़ आगरा अंक 6, अक्टूबर 2013
2	डॉ. सरला शर्मा	हिन्दी के प्रमुख साठ़ोत्तरी उपन्यास मघुमति सम्पादक – मुबारिक हुसैन	राजस्थान साहित्य एकेडिमी वर्ष 57 अंक– 4,5 अप्रैल, मई 2017